www.vibhorvarta.com
R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251
E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक
विभोर वार्ता
''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार
बुधवार, 25 जून 2025
(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)
वर्ष: 17 अंक: 230
पृष्ठ: 8 मूल्य:1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

उत्तराखंड के हर जिले में दो दो मुख्यमंत्री आदर्श गांव बनाने के निर्देश

देहरादून(सूवि)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सारकोट की तर्ज पर राज्य के प्रत्येक जिले में दो-दो आदर्श गांव बनाए जाएंगे।

इस संबंध में मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा है कि इन गांवों में समग्र विकास एवं आजीविका संवर्द्धन की योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने पर विशेष ध्यान दिया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' विजन के अनुरूप 'विकसित उत्तराखंड' की दिशा में तेजी से कार्य करने के लिए सभी अधिकारी पूरी तत्परता व प्रतिबद्धता से जुटे रहें।उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में बनाए जाने वाले दो-दो आदर्श ग्रामों में कृषि, बागवानी, पशुपालन, मौनपालन, डेयरी विकास, मशरूम उत्पादन जैसे संभावनाशील क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के साथ ही इन गांवों के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए इंटीग्रेटेड एप्रोच अपनाकर प्रभावी कदम उठाए जायं। स्थानीय शैली एवं संस्कृति का पूर्ण ध्यान रखते हुए इन गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर उत्पादित सौर ऊर्जा के माध्यम से इन गांवों को रोशन करने की व्यवस्था की जाय। इन गांवों में स्थानीय उत्पादों के विपणन की व्यवस्था करने और स्वयं सहायता समूहों को पर्याप्त प्रोत्साहन देकर आजीविका के अवसरों में वृद्धि तथा आर्थिक विकास को गति देने वाली गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा मार्गों पर कानून-व्यवस्था का सख्ती से अनुपालन कराए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि धामों व यात्रा मार्गों पर अशाति पैदा करने वाले एवं अवांछित गतिविधियों में संलिप्त तत्वों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर घोषित दो स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन की स्थापना

(शेष पृष्ठ सात पर....)

भूस्खलन से यमुनोत्री यात्रा बाधित

बड़कोट (ब्यूरो)। जानकीचट्टी-यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भैरव मंदिर के पास भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग बाधित हो गया है। दो लापता श्रद्धालुओं की खोजबीन जारी है, जिस कारण यमुनोत्री धाम की आवाजाही फिलहाल बंद कर दी गई है। बड़कोट, दुबाटा बैंड, गंगनानी, खराड़ी, पालीगाड़ सहित कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को रोका गया है।

सैकड़ों वाहनों में हजारों श्रद्धालु कल से मार्ग खुलने का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर रोका है, जिससे किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके। उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार तिवारी ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। भूस्खलन के कारण रोकी गई यमुनोत्री यात्रा।

राज्य में संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं पर्यटन को बढ़ावा देने का है प्रयास: बंशीधर तिवारी

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य की संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिये राज्य में बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने, राज्य को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिये उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद द्वारा "कंटेंट क्रिएटर्स प्रतियोगिता 2025" का आयोजन किया गया। यह आयोजन 23 मार्च, 2025 से 23 मई, 2025 तक आयोजित किया गया था। इस संबंध में उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसी वर्ष 6 मार्च 2025 को उत्तराखण्ड में शीतकालीन प्रवास के दौरान कंटेंट क्रिएशन पर जोर देने का आह्वान किया गया था। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में राज्य की संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु राज्य में बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर्स को आमंत्रित करते हुए "कंटेंट क्रिएटर्स प्रतियोगिता 2025" आयोजित की गई। तिवारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता को लेकर कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा काफी उत्साह दिखाया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 110 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं। जिनमें 56 रील्स की और 54 शार्ट फिल्म की श्रेणी में हैं।

प्रतियोगिता में प्राप्त होने वाले आवेदनों का परीक्षण एवं विजेता प्रतिभागियों के चयन हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी/महानिदेशक सूचना की अध्यक्षता में निर्णायक मण्डल समिति का गठन किया गया है। इस समिति में एफ.टी.आई. एवं पर्यटन विभाग से विषय विशेषज्ञों को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इस समिति की बैठक 26 जून, 2025 को आहूत की गई है।

इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से 08

(शेष पृष्ठ सात पर....)

महिला नीति का ड्राफ्ट तैयार, महिलाओं के सर्वांगीण विकास में 57 विभाग, महिलाओं के 16.6 फीसदी के जेंडर बजट

देहरादून(ब्यूरो): आखिरकार उत्तराखंड महिला नीति का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। देश के पांच राज्यों को महिला कल्याण की योजनाओं पर प्रस्तति का मौका मिला, जिसमें राज्य महिला नीति के आधार पर उत्तराखंड ने भी महिलाओं के सर्वांगीण विकास की रूपरेखा पेश की।

अब महिला सशक्तीकरण का दारोमदार सिर्फ एक विभाग या एक आयोग के ऊपर नहीं होगा, इसके लिए राज्य के करीब 57 विभाग मिलकर काम करेंगे। इसके लिए विशेष तौर पर राज्य महिला नीति तैयार की गई है। इसके लागू होने के बाद उत्तराखंड महिलाओं के समग्र विकास का अवसर देने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

इस नीति का मुख्य उद्देश्य सभी सरकारी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर महिला कल्याण के कार्यों को गति देना और महिलाओं के लिए विशेष तौर पर जारी 16.6 फीसदी के जेंडर बजट का अधिकतम व प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। नई महिला नीति के तहत सभी विभागों में जेंडर बजट सेल बनेगा, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। नीति के जरिये यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जेंडर बजट का सदुपयोग उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार

(शेष पृष्ठ सात पर....)

उत्तराखंड में थानों को गोद ले रहे आईपीएस अफसर, पुलिसिंग के साथ सुविधाओं और अनुशासन की पहल

देहरादून। राज्य में 'आदर्श थाना' बनाने की अनूठी पहल चल पड़ी है। खासकर चमोली जिले में यह देखने को मिल रहा है। यहां आईपीएस तृप्ति भट्ट के बदरीनाथ थाना गोद लिए जाने के बाद अब एसपी सीआईडी यशवंत चौहान ने गोपेश्वर थाने को गोद लिया है।

'आदर्श थाने' की अवधारणा को साकार करने की दिशा में एक अभिनव और महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, प्ै संवर्ग के वरिष्ठ अधिकारी अब अपनी प्रथम नियुक्ति स्थल के किसी एक पुलिस थाने (कोतवाली/थाना) को 'गोद' लेकर उसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने और उसकी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने का कार्य करेंगे। इसी महत्वपूर्ण क्रम में, वर्तमान में एसपी सीआईडी के पद पर तैनात वरिष्ठ प्ै अधिकारी यशवंत चौहान ने इस पहल में आगे बढ़कर जनपद मुख्यालय स्थित थाना गोपेश्वर को गोद लेने का निर्णय लिया है। यशवंत चौहान का चमोली जनपद से गहरा जुड़ाव रहा है; वे वर्ष 2019 से 2021 के बीच इसी जनपद में पुलिस अधीक्षक के तौर पर नियुक्त रहे थे।जनपद चमोली में अपनी पूर्व की तैनाती के दौरान भी यशवंत चौहान पुलिस कल्याण और विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए कई उल्लेखनीय और सराहनीय कार्य कर चुके हैं, जिनकी छाप आज भी महसूस की जाती इसी सुधार की भावना के साथ, उन्होंने गोपेश्वर थाने को 'आदर्श थाने'

(शेष पृष्ठ सात पर....)

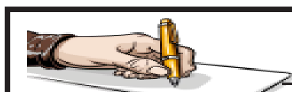

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूरी दुनिया को झांसे में रखा

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान और पूरी दुनिया को झांसे में रखा और रविवार सुबह 4.30 बजे ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर 14 'बंकरफोड़ बम' गिरा कर साबित कर दिया कि वह इजरायल के पाले में हैं। उनकी जुबान पर भरोसा न किया जाए, क्योंकि उन्होंने दो सप्ताह के बाद निर्णय लेने का बयान दिया था। जब वह ऐसा बयान दे रहे थे, तब उनके बी-2 बॉम्बर विमान उड़ान भर चुके थे। ऑपरेशन में 125 विमान शामिल थे और 75 सटीक निशाना लगाने वाले हथियार भी थे। पनडुब्बी में करीब दो दर्जन टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भी थीं। यानी हमले की पूरी तैयारी थी और राष्ट्रपति ट्रंप शांति का राग अलाप रहे थे। अमरीका ने करीब 1.90 लाख किलो के बम गिराए। बमबारी के तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के बुनियादी परमाणु कार्यक्रमों का नामोनिशान मिटा दिया गया है। अब युद्ध खत्म कर देना चाहिए। अब ईरान के लिए शांति होगी अथवा त्रासदी। वह तबाही बहुत ज्यादा घातक होगी। ईरान के मित्र-देश रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव और ईरान के अधिकृत चेहरों का पलट दावा है कि परमाणु ठिकानों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है। जो बेहद संवेदनशील सामग्री, संवर्धित यूरेनियम और अन्य सिस्टम थे, उन्हें तीन दिन पहले ही सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया गया था। ईरान जल्द ही परमाणु हथियार बनाने लगेगा। रक्षा विशेषज्ञ ईरान के परमाणु ठिकानों के भीतर जबरदस्त नुकसान का आकलन कर रहे हैं। उनके अनुसार, 'बंकरफोड़ बम' चट्टान को तोड़ कर अंदर घुसे। ये बम अंदर ही विस्फोट करते हैं। करीब 2 लाख किलो बारूद के विस्फोट और विध्वंस की कल्पना ही की जा सकती है। विशेषज्ञ परमाणु कार्यक्रम को शिफ्ट करने के दावों को असंभव, अव्यावहारिक और बेवकूफाना करार देते हैं। इस हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम 15-20 साल पीछे धकेल दिया गया है। विशेषज्ञों का एक अलग गुट मानता है कि यदि फोर्डो, नतांज, इस्फहान परमाणु ठिकानों में तबाही हुई है, तो निश्चित रूप से विकिरण होना चाहिए था। विकिरण कहां है? ईरान इतनी जल्दी घुटने टेकने वाला देश नहीं है। उसे लंबी लड़ाई लडने का अनुभव है, लिहाजा वह इस बार भी पलटवार जरूर करेगा। यह देखना होगा कि वह अमरीका पर किस तरह के प्रहार करता है? अभी तो उसने इजरायल के बड़े शहरों में इमारतों को खंडहर बनाया है, लेकिन वह मिसाइल हमले कब तक जारी रख सकता है? बहरहाल विरोधाभासों से यथार्थ तक पहुंचना असंभव है। रूस, चीन, ईरान आदि के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक दरमियानी रात 12.30 बजे के करीब हुई। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक 23 जून को तय थी। दोनों आपात बैठकों के निर्णयों और निष्कर्षों का विश्लेषण बाद में करेंगे। फिलहाल यह सवाल मौजू और गंभीर है कि अमरीका के घातक, विध्वंसक, कथित बर्बर हमले के बाद ईरान क्या करेगा? युद्ध में ईरान में 950 से अधिक मौतें हो चुकी हैं और 4000 से ज्यादा घायल हैं। यह डाटा बढ़ता जा रहा है। यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केंद्रों, बेहद संवेदनशील प्रयोगों और सर्वाधित यूरेनियम का वाकई नामोनिशान मिटा दिया।

कमतर न आंकिए भारत की विकास यात्रा को

अनुमान है कि 2024-25 तक अत्यधिक गरीबी घटकर लगभग 3.4 प्रतिशत रह जाएगी, यानी अनुमानतः देश में 40.55 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में रहते हैं।

वर्ष 2014 में भारत 2.07 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। 2025 में, हम मात्र 11 वर्षों में 4.18 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर की जीडीपी के साथ चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवी सुब्रमण्यम ने कुछ समय पहले इस संबंध में एक बयान दिया है। अंतरराष्ट्रीय तुलना के लिए, एक और आंकड़ा जो सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाता है, वह है क्रय शक्ति समता के संदर्भ में जीडीपी। क्रय शक्ति समता के पैमाने पर, भारत बहुत पहले ही (वर्ष 2011 में) दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि भारत में भारतीय रुपए की क्रय शक्ति डॉलर के बाजार मूल्य से लगभग चार गुना अधिक है। विश्व बैंक के अनुसार 2014 में भारत की जीडीपी (पीपीपी) लगभग 7.4 डॉलर थी, जो 2025 में बढ़कर 17.4 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। आज जब यह साबित हो गया है कि डॉलर के बाजार मूल्य के लिहाज से भी भारत की जीडीपी दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंच गई है, तो इसका जश्न मनाने के साथ-साथ यह समझना भी जरूरी है कि यह कैसे संभव हुआ और कैसे हम समकालीन दुनिया और इतिहास से सीख लेकर अपनी अर्थव्यवस्था को और मजबूत बना सकते हैं। जबकि, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, कुछ हलकों में, यह बात उठती है कि चाहे, हमने जीडीपी में जापान को पीछे छोड़ दिया है, जापान की प्रति व्यक्ति आय अभी भी भारत की प्रति व्यक्ति आय से 11.6 गुना अधिक है, लेकिन अगर हम पीपीपी के आधार पर इन दोनों देशों की प्रति व्यक्ति आय की तुलना करते हैं, तो हम पाते हैं कि जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का मुश्किल से 4.16 गुना है।

एक और दृष्टिकोण यह है कि हमें उपलब्धि का जश्न मनाने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि भारत अभी भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में 136वें स्थान पर है, और यहां तक कि क्रय शक्ति समता में हम दुनिया के 190 देशों की सूची में 119वें स्थान पर हैं। लेकिन ये संख्याएं जितना छुपाती हैं, उससे कम बताती हैं। जैसे कि हम भारत की प्रति व्यक्ति आय से अधिक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद वाले देशों में रहने वाली वैश्विक जनसंख्या पर एक नजर डालें, जो 3.54 बिलियन है, जो विश्व की जनसंख्या का मुश्किल से 43 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की दृष्टि से हमसे ऊपर के 'देशों की संख्या' गिनना उचित नहीं होगा, क्योंकि हमसे ऊपर के देश अधिकतर उच्च आय और मध्यम आय वाले देश हैं, और उनकी संख्या बड़ी है, यद्यपि उन देशों में रहने वाली जनसंख्या काफी कम है। जनसंख्या की दृष्टि से 18 बड़े देश हैं, जिनका प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद भारत से अधिक है, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 3.4 अरब है, और शेष 100 देशों की कुल जनसंख्या लगभग 14 करोड़ (0.14 अरब) है। डॉलर के बाजार मूल्य के साथ-साथ पीपीपी के संदर्भ दोनों में प्रति व्यक्ति आय की उच्च वृद्धि दर की बदौलत भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इसकी रैंकिंग में बेहतरी हो रही है। 2014 में, डॉलर के बाजार मूल्य में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में भारत 190 देशों में से 147वें स्थान पर था, लेकिन 2025 में इसकी स्थिति में सुधार होकर भारत का स्थान 136वां हो गया है। तथा पीपीपी के संदर्भ में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, जो 2014 में 126वें स्थान पर था, अब 190 देशों में 119वें स्थान पर पहुंच गया है। एक और बात, हमें निरपेक्ष रूप से अपनी आबादी के कल्याण के बारे में विस्तार से बताने की जरूरत है, और उन देशों के कल्याण के बारे में जो प्रति व्यक्ति जीडीपी में काफी ऊपर हैं कि निरपेक्ष गरीबी को कम करने और अत्यधिक गरीबी को लगभग समाप्त करने में भारत की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। यूएनडीपी की परिभाषा के अनुसार, सबसे उल्लेखनीय सुधार हम बहुआयामी गरीबी में भारी कमी के रूप में देखते हैं।

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2015 (2005-06 और 2011-12 के आंकड़ों पर आधारित) के अनुसार,. भारत की लगभग 41.3 प्रतिशत आबादी बहुआयामी रूप से गरीब थी। पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्वच्छता और खाना पकाने के ईंधन में प्रमुख अभाव रहे। ग्रामीण गरीबी, शहरी गरीबी से काफी अधिक होने के साथ, भारत में दुनिया के बहुआयामी गरीबों का 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। यूएनडीपी की रिपोर्ट के अनुसार 2005-2006 से 2019-2021 तक भारत का बहुआयामी गरीबी सूचकांक (कुल 1.000 में से) 0.283 से गिरकर सिर्फ 0.069 रह गया है, जो शायद बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे देशों में सबसे तेज गिरावट है। दिलचस्प बात यह है कि यूएनडीपी ने इस उपलब्धि के लिए भारत की प्रशंसा भी की। अगर हम अत्यधिक गरीबी (2.15 अमेरिकी डॉलर की दैनिक आय वाले लोग) को देखें, तो विश्व बैंक (2022) और आईएमएफ के अनुसार, भारत ने वैश्विक मानकों के अनुसार अत्यधिक गरीबी को लगभग समाप्त कर दिया है। 2014 में, अनुमानतः भारत की 12.3 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीबी में रहती थी, यानी लगभग 170 मिलियन लोग।

सत्ता का लोभ और वैचारिक प्रस्थापनाएं

वर्तमान स्थिति इतनी पेचीदा हो गई है कि आर्थिक व्यवस्थाओं को संभालने के लिए भी कई तरह के भावनात्मक कथानक प्रचारित करके अपने-अपने शासन को टिकाए रखने के प्रयास होते हैं। क्योंकि समस्याएं इतनी ज्यादा और पेचीदा हैं कि उनमें से कई तो हल होने योग्य ही नहीं होती। उनसे ध्यान भटकाने के लिए नई अवास्तविक समस्याओं के कथानक घडने पड़ते हैं। इतना तो तय है कि आज के युग में शासन परिवर्तन के लिए कथानक घडने और प्रस्थापित करने में चतुर राजनेता ज्यादा सफल हो जाते हैं और समस्याओं के समाधान में गंभीर प्रयास करने वाले पिछड़ जाते हैं। जो प्रस्थापनाएं प्रसिद्ध हो जाती हैं और बहुमत की मान्यता प्राप्त कर लेती हैं, उन्हें ठीक मान लिया जाता है, भले ही वे ठीक न हों।

परिवार के उदय के साथ ही परिवार की सुरक्षा का सवाल पैदा हुआ, जिससे सुरक्षा देने में समर्थ व्यक्ति, परिवारों के समूह कबीले को सुरक्षा देने के लिए सरदार के रूप में सत्तासीन हुआ। विभिन्न कबीले जीवनयापन के संसाधनों के लिए आपस में संघर्ष करते रहते थे। उस संघर्ष में जीवनयापन के संसाधनों की रक्षा भी एक चुनौती थी, जिससे पार पाने के लिए भी सरदार के रूप में सत्ता द्वारा समाधान के प्रयास हुए। यानी सत्ता का उदय सुरक्षा और समस्या समाधान के लिए हुआ। ठंड-बारिश से सुरक्षा, जंगली जानवरों से सुरक्षा भी सामूहिक प्रयास के बिना संभव नहीं थी। समूह को इकट्ठा रखने और कार्य अभिमुख करने के लिए किसी आदेश देने वाले की जरूरत थी। इससे सरदार की स्थिति और मजबूत होती गई। कालांतर में कबीलों के समूहों में बड़े टकरावों से सुरक्षा के आयाम बदलते गए। इससे कई कबीलों को नियंत्रित करके सुरक्षा का आश्वासन देने वाले राजाओं और बादशाहों का उदय हुआ। इससे अलग-अलग तरह की तानाशाहियो का उदय हुआ। धार्मिक तानाशाहियों का भी युग रहा। यूरोप में चर्च, अरब, ईरान, तुर्किए और मध्य पूर्व में खिलाफत, भारतीय भूखंड में राजा को विष्णु का प्रतिनिधि माना जाता था। यूरोप में चर्च के साथ संघर्ष के बाद प्रजातंत्र का विकास हुआ, जिसकी नींव फ्रांसिसी क्रांति से पड़ी। इसी दौर में औद्योगिक क्रांति हुई, जिससे औद्योगिक शोषण का आरंभ हुआ और उसके निराकरण के लिए वामपंथ का उदय हुआ।

हालांकि वामपंथ का लक्ष्य व्यक्ति की स्वतंत्रता था जिसके लिए धीरे-धीरे राज्य की सत्ता का लोप होना था। किन्तु हुआ इसके उल्टा। सत्ता एक दलीय शासन को बचाने के लिए अत्यधिक मजबूत होती गई, और भीषण हिंसक तानाशाही में परिवर्तित हो गई। इससे मोहभंग की स्थिति बनी, तो कल्याणकारी राज्य के सिद्धांत के साथ प्रजातंत्र का नए रूप में उदय हुआ। वामपंथ के लोप की स्थितियां बनने लगी हैं। वर्तमान में प्रजातंत्र, आधा अधूरा वामपंथ, सैनिक तानाशाही, धार्मिक तानाशाही जैसी शासन प्रणालियां दुनिया में देखने को मिल रही हैं। आदिकाल से वर्तमान तक सभी शासन प्रणालियों में एक बात सांझा है, कि सभी शासन व्यवस्थाओं के टिकने के लिए प्रजा के बड़े भाग का प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन होता है। समर्थन लेने के लिए एक तो ऐसी समस्याओं को हल करके शासन को दिखाना होता है जिसका डंक आम आदमी अनुभव कर रहा होता है, जिसमें सुरक्षा और रोजी-रोटी की उपलब्धता मुख्य है। जैसे जैसे मनुष्य समाज विकसित होता जा रहा है तो आर्थिक और रोजी-रोटी की समस्याओं के अतिरिक्त सांस्कृतिक, सामाजिक, ज्ञानार्जन और भावनात्मक मुद्दे भी महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। इसलिए शासक वर्ग इस प्रयास में रहता है कि समस्या समाधान के अतिरिक्त भावनात्मक मुद्दों के माध्यम से प्रत्यक्ष या परोक्ष जन समर्थन जुटा कर रखे। धर्म तंत्रात्मक शासन व्यवस्थाएं धर्म खतरे में होने का कथानक लोगों को परोस कर पीछे चलाने का प्रयास करती हैं। सैनिक तानाशाही व्यवस्थाएं विदेशी सैनिक आक्रमणों का खतरा दिखाती रहती हैं। कुछ भाषायी लोप, सांस्कृतिक लोप, इतिहास के गलत वर्णन और स्थापन जैसे भावनात्मक मुद्दों के आधार पर टिके रहने के प्रयास करते रहते हैं।

वर्तमान स्थिति इतनी पेचीदा हो गई है कि आर्थिक व्यवस्थाओं को संभालने के लिए भी कई तरह के भावनात्मक कथानक प्रचारित करके अपने-अपने शासन को टिकाए रखने के प्रयास होते हैं। क्योंकि समस्याएं इतनी ज्यादा और पेचीदा हैं कि उनमें से कई तो हल होने योग्य ही नहीं होती। उनसे ध्यान भटकाने के लिए नई अवास्तविक समस्याओं के कथानक घडने पड़ते हैं। इतना तो तय है कि आज के युग में शासन परिवर्तन के लिए कथानक घडने और प्रस्थापित करने में चतुर राजनेता ज्यादा सफल हो जाते हैं और समस्याओं के समाधान में गंभीर प्रयास करने वाले पिछड़ जाते हैं। जो प्रस्थापनाएं प्रसिद्ध हो जाती हैं और बहुमत की मान्यता प्राप्त कर लेती हैं, उन्हें ठीक मान लिया जाता है, भले ही वे समाज के लिए ठीक न हों। शासन व्यवस्थाओं का यह प्रयास रहता है कि समाज सरकार पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर हो जाए।

सरकार पर निर्भर समाज शासकों के लिए नियंत्रित करने के लिए आसान होता है। समाज स्वयं अपनी समस्याओं का समाधान करने की जितनी ज्यादा शक्ति अर्जित कर लेगा, उतना ही ज्यादा वह स्वतंत्र होगा। इसे ही गांधी जी ने स्वावलंबन कहा है। इसी से धीरे धीरे स्वतंत्रता बढ़ती जाएगी। गांधी जी ने इसे शासन मुक्ति कहा।

मोरारी बापू से मिले बाबा रामदेव और बोले- बापू महापुरुष, उनकी आलोचना उचित नहीं

-रामकथा के अंतिम दिन भी बापू ने मांगी क्षमा

वाराणसी (एजेंसी)। प्रसिद्ध कथा वाचक मोरारी बापू की नौ दिवसीय रामकथा का रविवार को काशी में समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बापू ने यह कहते हुए एक बार फिर सभी महापुरुषों से क्षमा मांगी कि उन्हें लग रहा है मानो कथा अभी अधूरी है। बापू इसी के साथ वचन दिया कि अगली बार वे काशी कबीर मानस लेकर आएंगे। इस अवसर पर योगगुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से बापू से मिलने पहुंचे थे। बाबा रामदेव ने यहां कहा कि बापू की आलोचना न तो उचित है और न ही आवश्यक। बापू तो राष्ट्र और संस्कृति की धरोहर हैं। वे बचपन से रामकथा कहते आ रहे हैं। उनके जीवन का उद्देश्य केवल राम की महिमा का गुणगान है। इसी के साथ रामदेव ने बापू को महापुरुष की संज्ञा भी दी।

इस अवसर पर मोरारी बापू ने कहा, योग जरूरी है, लेकिन परमात्मा और परस्पर प्रेम उससे भी अधिक जरूरी है। अगर प्रेम नहीं है, तो योग, ज्ञान, कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं रह जाता। उन्होंने सिंदूर की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए कहा, शिव-पार्वती का सिंदूरदान आधि-दैविक है, जबकि राम द्वारा जानकी की मांग भरना आध्यात्मिक है। अगर कोई बुद्ध

पुरुष हमें अपनाता है, तो वही हमारे जीवन का सिंदूर है। बापू ने इस बात पर भी बल दिया कि हिंदू सनातन धर्म सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यह सभी को स्वीकार करता है, सभी का सम्मान करता है।

बापू के आगे बेटा क्या बोलेगा : रामदेव

बाबा रामदेव इस अवसर पर भावुक हो गए और कहा, कि हमें नहीं पता था कि काशी आना है, लेकिन बापू और शिव की कृपा से आ गए। हम सोच रहे थे कि क्या कहें? पर बाप के सामने बेटा क्या बोलेगा। उन्होंने मंच से कहा कि बापू के दो पुत्र हैं - एक पार्थिक और दूसरा पारमार्थिक, और हम सभी उनकी आत्मिक संतान हैं। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि बापू की आलोचना अगर विधर्मी करते तो समझ आता, लेकिन सनातनी खुद क्यों तनातनी में लगे हैं? यह सनातन धर्म की संस्कृति नहीं है। बाबा रामदेव ने मंच से स्पष्ट किया कि बापू और मैं किसी भी राजनीति से नहीं जुड़े हैं। न हमें किसी नेता ने बुलाया है, न हम किसी राजनीतिक उद्देश्य से यहां हैं। उन्होंने कहा कि बापू के पास इतनी शक्ति है कि वह राजनेता बना सकते हैं, लेकिन कोई राजनेता उन्हें नहीं बना सकता।

पहले कुछ ही मुसलमान आते थे अब संख्या बढ़ गई

बाबा रामदेव ने कहा कि कथा स्थल पर पहले कुछ ही मुसलमान आते थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़ गई है, जो सनातन धर्म की व्यापकता और समावेशी स्वरूप को दर्शाता है। काशी की यह कथा केवल राम की महिमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्रेम, स्वीकार्यता और सनातन संस्कृति का ऐसा मंच बन गई, जहां से बापू और बाबा रामदेव ने समाज को विचार और आत्मचिंतन का संदेश दिया। मोरारी बापू का यह कथन कि मैं नित्य प्रसन्न हूं, क्योंकि मेरे बुद्ध पुरुष ने मेरी मांग भरी है, आध्यात्मिक प्रेम की गहराई को दर्शाता है, जो सनातन संस्कृति का मूल है।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक 4 जुलाई से

- बैठक में भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर सकती है घोषणा

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी प्रमुख अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता हैफ। हालांकि ऐसा काम किए हुए कुछ समय हो गया है। बैठक का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा द्वारा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। यह उच्च स्तरीय बैठक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने पर केंद्रित होगी। एक प्रमुख एजेंडा संघ के शताब्दी समारोह की तैयारी होगी, जिसमें देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी की योजना बनाई गई है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है।.

उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है। रमेश के अनुसार, इस योजना के तहत धन पाने वाले 130 शहरों ने औसतन केवल 70 से 78.5 प्रतिशत तक ही धन का उपयोग किया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहर में जहां हर साल वायु प्रदूषण एक सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थिति और राष्ट्रीय शर्म का विषय बन जाता है, यहां भी इस योजना के तहत मिले धन का महज 33 प्रतिशत से भी कम खर्च किया गया है।कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि फरीदाबाद ने सिर्फ 26.7 प्रतिशत, नोएडा ने 10 प्रतिशत से भी कम, और यहां तक कि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी भी सिर्फ 48.85 प्रतिशत धन का उपयोग कर पाया, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

मेघालय 'हनीमून मर्डर' मामला: पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को किया गिरफ्तार, काले बैग के बारे में करेगी पूछताछ

-राजा की हत्या के बाद विशाल को ब्रोकर जेम्स ने फ्लैट किराए पर दिया था

शिलांग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक और गिरफ्तारी हुई है। शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार रात प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। ये ब्रोकर वही है, जिसने राजा हत्याकांड के आरोपी विशाल को इंदौर के देवास नाका का फ्लैट किराए पर दिया था। सरेंडर से पहले इसी फ्लैट में सोनम ने फरारी काटी थी। सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूत छिपाने, नष्ट करने के मामले में सहआरोपी बनाया है।

प्रॉपर्टी ब्रोकर ने फ्लैट के गार्ड के साथ मिलकर उस बैग को गायब किया था, जिसमें पिस्टल और पांच लाख रुपए के साथ राजा के जेवर होने की बात कही थी। उधर, सोनम और राज को 13 दिनों की न्यायायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम के परिवार, ऑफिस, गोदाम के कर्मचारियों और राजा के परिजन के बयान दर्ज किए हैं।

शिलॉन्ग पुलिस उस काले रंग के बैग की तलाश में इंदौर आई थी, जिसके बारे में सोनम ने बताया था।

सोनम ने पुलिस से कहा था कि राज कुशवाहा ने राजा को ठिकाने लगाने के लिए एक पिस्टल खरीदी थी। पहले पिस्टल से ही राजा को मारने का प्लान था। बाद में धारदार हथियार से मारा। पिस्टल और पांच लाख रुपए काले बैग में कपड़ों के बीच छिपाकर रखे थे। ये बैग सोनम के प्रेमी राज कुशवाह ने विशाल के जरिए ऑटो रिक्शा बुक करके सोनम के पास देवास नाका के फ्लैट में भेजा था। 8 जून को इंदौर से निकलते समय सोनम बैग फ्लैट में छोड़कर आई थी। फ्लैट की चाबी गार्ड को सौंपकर दी थी। सोनम के जाने के बाद 10 जून को सिलोम जेम्स अपनी कार से फ्लैट में पहुंचा और बैग उठाकर ले गया।

शनिवार को शिलांग पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ के बाद सिलोम को दबोच लिया जो दिल्ली भागने की फिराक में था। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस उसे साथ में ले जा सकती है। वहीं, पुलिस को अब काले बैग की तलाश है, जिसके बारे में सिलोम जेम्स जानता है। गार्ड को भी शिलॉन्ग पुलिस तलाश रही है। वह भी शक के दायरे में है। इस मामले में इंदौर पुलिस ने बताया कि सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि शिलॉन्ग से आई एसआईटी सिलोम जेम्स की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर रही है। पूछे जाने पर कि क्या शिलॉन्ग पुलिस जेम्स के अपने साथ लेकर मेघालय जाएगी? उन्होंने कहा कि अभी इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है तो पहले उन्हें ट्रांजिट रिमांड लेनी पड़ेगी, उसके बाद लेकर जा सकते हैं।

अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि... नीतीश कुमार को लेकर ऐसा क्यों बोले तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तय हो चुका है और गठबंधन की रणनीति के अनुसार इसका खुलासा किया जाएगा। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, जब सीएम के चेहरे के बारे में पूछा गया, तो यादव ने कहा कि सब कुछ तय हो चुका है। हम अपनी रणनीति के अनुसार इसका खुलासा करेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा जिस भी पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे खत्म कर देती है। पूरे देश में किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को देख लीजिए... देखिए भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी के साथ क्या किया। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि 'भक्तों' को नहीं पता कि इरज एक संस्कृत शब्द है। इसका मतलब है 'पवनपुत्र', जो हनुमान का नाम है। भाजपा के लोगों को सनातन के बारे में कुछ नहीं पता। उन्हें संविधान या धर्म के बारे में कुछ नहीं पता।

अपने दूसरे बच्चे के नाम को लेकर उठे विवाद पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जवाब दे रहे थे। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के 'तेजस्वी यादव से पूछे कि वह 10वीं की परीक्षा कब पास करेंगे' वाले तंज पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'इससे मुझे कोई दुख नहीं होता। एक डिग्री आपको हर गुण नहीं दे सकती। व्यावहारिक जीवन का अनुभव भी उपयोगी होता है। मैं एक खिलाड़ी था... लेकिन अगर डिग्री की बात करें तो हमारे देश के लोगों को पता ही नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी के पास कौन सी डिग्री है।'

यादव कहते हैं, 'अगर चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें खुलकर कहना चाहिए, उन्हें ये सब ड्रामा करने की क्या जरूरत है कि 'बिहार बुला रहा है।' क्या बिहार ने उन्हें इतने सालों तक भगाया? कुछ तो तर्क होना चाहिए। वो बिहार से जीते हैं। वो बिहारी हैं। अब वो कह रहे हैं 'बिहार बुला रहा है.'... मैं हमेशा कहता हूं कि मुझे सरकार भी नहीं बनानी है, मैं बिहार का विकास करना चाहता हूं, मुझे एक मौका दीजिए ऐसा करने का।'

योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी: अखिलेश यादव

- अखिलेश ने सरकार पर किया वार... फिर खोला चुनावी पिटारा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हाल ही में अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे। यहां पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर कड़ी आलोचना की और कई मुद्दों पर अपनी विचार रखे।

अखिलेश ने कहा कि योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी। अगर स्कूलों को मर्ज कर दूर-दूर किया गया तो बेटियों को पढ़ाई में बहुत दिक्कत होगी। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और हर जिले से भ्रष्टाचार की शिकायतें आ रही हैं। इसलिए सरकारी कर्मचारी ट्रांसफर-पोस्टिंग के जरिए अपना निजी फायदा करने में लगे हुए हैं। अगर उनकी पार्टी 2027 में सरकार बनती है तो वे ई-रिक्शा और तांगा फ्री करने का वादा करेंगे। मुख्यमंत्री के हवाई सर्वेक्षण पर भी उन्होंने सवाल उठाए। मीडिया इस पर सवाल नहीं कर सका इसलिए सरकार ने हवाई दौरा किया। उन्होंने कहा कि कोई भाजपाई गाय का दूध नहीं पीता। इन्हें

गोबर से प्यार है, गोबर गिफ्ट में दें तो बहुत अच्छा लगेगा। योगा को लेकर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग केवल दिखावे के लिए योगा कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि जो भाजपा वाले सिंदूर यात्रा निकाल रहे थे, वे झांसा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के मामलों में हम सब एक हैं और फौज के साथ हैं। उन्होंने बताया कि 'सिंदूर' शब्द का मतलब है 'पाप' और 'दूर'। उनका कहना था कि भाजपा की ये यात्रा अपनी कमियां छिपाने की कोशिश थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव मकरन्द नगर स्थित पूर्व चेयरमैन सुनील कुमार गुप्ता के शोरूम भी गए और वहां के कारोबारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे कारोबारियों की मदद करेंगे।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

– आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।'

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।'

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ÷हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,÷ वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफ्रा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

जसप्रीत बुमराह ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। बुमराह ने भारत के 471 रन पर ऑल आउट होने के बाद महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाई और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट लिए। ऐसा करके बुमराह ने स्थ्वह्न देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दूसरे दिन के अंत तक कुल 2 विकेट झटके और

स्थ्वह्न देशों में 60 पारियों में 148 विकेट लिए। उन्होंने स्थ्वह्न देशों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 146 विकेट लिए थे। इसके बाद अनिल कुंबले (141), इशांत शर्मा (130) और मोहम्मद शमी (123) का नम्बर आता है। इससे पहले इंग्लैंड के मार्क वुड ने मौजूदा 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह 'खेल को बदलने' की क्षमता रखते हैं। खेल के सभी प्रारूपों में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बन गए हैं। 31 वर्षीय बुमराह को भारत की युवा टीम में इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। वुड ने इस बात पर जोर दिया कि 'खतरनाक' बुमराह किसी भी खेल चरण में कहर बरपा सकते हैं। वुड ने कहा, 'वह सभी प्रारूपों में एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो वास्तव में खतरनाक हैं। मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि उन्हें समझना और उनका सामना करना वाकई मुश्किल है। वह जितना आप सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा तेज हैं। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और वह मैच के किसी भी हिस्से में खतरनाक हैं। बुमराह खेल को बदल सकते हैं।'

कनाडा ने भारत–श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ओंटारियो - कनाडा की पुरूष क्रिकेट टीम ने अमेरिकी क्वालीफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। कनाडा की यह लगातार पांचवी जीत थी। कनाडा ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप भी खेला था। बीस टीमों के टूर्नामेंट में गत चैम्पियन भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी खेलेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सात और टीमें अभी इन टीमों से जुड़ेंगी जिनमें से दो यूरोपीय क्वालीफायर (पांच से 11 जुलाई), दो अफ्रीकी क्वालीफायर (19 सितंबर से चार अक्टूबर) और तीन एशिया ईएपी क्वालीफायर (एक से 17 अक्टूबर) से आएंगी।' कनाडा ने यहां खेले गए क्वालीफायर में 57 रन का लक्ष्य छह ओवरों में हासिल कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए कनाडा ने स्पिनर कलीम सना और शिवम शर्मा के तीन तीन विकेट की मदद से बहामास को 19.5 ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत बाजवा के नाबाद 36 रन की बदौलत लक्ष्य 5.3 ओवर में हासिल कर लिया।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इमसें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'इसमें कुछ गलत नही है। वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं। वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'ऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है। वह बहुत अच्छे से यह करता है। किसी ने सोचा नही था कि वह ऐसा करेगा। मैने कभी कोशिश नहीं की। इसके लिए मुझे काफी अभ्यास करना होगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'मैं ऐसा कुछ नहीं कर सकता और न ही उसकी तरह बल्लेबाजी कर सकता हूं। दोनों मोर्चों पर विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी वह अपेक्षाओं से परे प्रदर्शन करता है।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

–25 साल पहले कुछ नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप

के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा,' ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विचार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।'शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची है जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

जो रूट ने जयसूर्या को पछाड़ा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बने

लीड्स (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बन गए। रूट ने लीड्स में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चार्ट में यह बढ़त हासिल की। ??अपनी पारी के दौरान उन्होंने 58 गेंदों में दो चौकों की मदद से 28 रन बनाए। वे अंतत: 25 पारियों में 10वीं बार जसप्रीत बुमराह का शिकार बने, उनके खिलाफ उनका औसत 29 रहा।

रूट ने 366 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 479 पारियों में 49.30 की औसत से 21,053 रन बनाए है जिसमें 54 शतक और 112 अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है। वे टेस्ट और वनडे सहित सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका के दिग्गज जयसूर्या ने 651 पारियों में 34.14 की औसत से 42 शतकों और 103 अर्द्धशतकों की मदद से 21,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 340 है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भारतीय आइकन सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 664 मैचों की 782 पारियों में 48.52 की औसत से 100 शतकों और 164 अर्द्धशतकों की मदद से 34,357 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 154 मैचों की 280 पारियों में 50.71 की औसत से 36 शतकों और 65 अर्द्धशतकों की मदद से 13,034 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

रूट ने वनडे में 180 मैचों और 169 पारियों में 49.14 की औसत से 7,126 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। 32 टी20आई और 30 पारियों में उन्होंने 35.72 की औसत से 893 रन बनाए हैं, जिसमें 126.30 की स्ट्राइक रेट और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90* है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने दूसरे दिन 209/3 के स्कोर पर दिन का अंत किया जिसमें ओली पोप (100*) और हैरी ब्रुक (0*) नाबाद रहे। बेन डकेट (94 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 62) के अर्धशतक और पोप के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने जैक क्रॉली के जल्दी आउट होने के बाद इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) ने समय पर स्ट्राइक देकर इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से बमुश्किल ही सहयोग मिला। इंग्लैंड अभी 262 रन से पीछे है।

इससे पूर्व पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल (159 गेंदों में 101 रन, 16 चौके), कप्तान शुभमन गिल (227 गेंदों में 147 रन, 19 चौके और एक

छक्का) और ऋषभ पंत (178 गेंदों में 134 रन, 12 चौके और छह छक्के) के शतकों की बदौलत भारत ने 471 रन बनाए। एक समय स्कोर 430/4 था, कप्तान बेन स्टोक्स (4/66) और जोश टंग (4/86) ने टीम को ढेर कर दिया। लेकिन जायसवाल और पंत की पारियों ने टीम को संभाला और 471 रन बनाने में मदद की।

आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोक्स और पंचलाइन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की आने वाली हॉरर फिल्म मां रिलीज के लिए तैयार है। काजोल ने सिनेमा में कॉमेडी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार साझा किए। काजोल ने कहा कि कॉमेडी फिल्मों में नयापन और गहराई की कमी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो वह कॉमेडी फिल्मों में दोबारा काम करना चाहेंगी। उनका मानना है कि वह कॉमेडी फिल्मों के लिए कुछ नया पेश कर सकती हैं।

बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि अगर कंटेंट दमदार होगा, तो वह जरूर कॉमेडी में वापसी करेंगी। काजोल ने बताया कि कॉमेडी एक ऐसी शैली है, जो हर इंसान के लिए अलग है, जो बात एक इंसान को हंसाती है, जरूरी नहीं कि वही बात दूसरे को भी हंसाए। आज की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वह ज्यादातर आम लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के मकसद से बनाई जाती है, न कि किसी नए विचार से। दिलवाले फिल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल एक ही तरह के जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराए जा रहे हैं, जिससे कॉमेडी में नयापन रहा ही नहीं है।

काजोल ने कहा, मैं कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसमें बेहतरीन काम करूंगी। कॉमेडी हर इंसान के लिए अलग होती है, जो बात उन्हें मजेदार लगे, जरूरी नहीं कि वही बात किसी और को भी हंसाए। इसलिए कॉमेडी एक व्यक्तिगत पसंद की चीज है। आजकल ज्यादातर कॉमेडी फिल्में बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, न कि किसी अलग सोच या खास नजरिए से। फिल्मों में वही जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराई जा रही हैं, जिससे कॉमेडी में कोई नयापन नहीं बचा। बेहतरीन कॉमेडी फिल्म बहुत समय से देखने को नहीं मिली है। काजोल ने पुरानी फिल्मों की भी तारीफ की। उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फिल्मों में जो हास्य होता था, वह न सिर्फ मजेदार बल्कि समझदारी भरा और दिल से जुड़ा हुआ होता था। आजकल ऐसी दिल को छूने वाली कॉमेडी फिल्में कम ही बन रही हैं। अफसोस कि अब ऐसी स्मार्ट और सच्ची कॉमेडी फिल्मों की कमी हो गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल इन दिनों अपनी पहली हॉरर फिल्म मां के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में सलमान खान सिकंदर फिल्म में नजर आए। फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद सलमान खान अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत कौन सी एक्ट्रेस रहेगी। फिल्म में देशभक्ति के अलावा भरपूर एक्शन है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है। इसके बाद वह देसी ब्वॉज और गब्बर इज बैक के गाने आओ राजा में नजर आई थीं।

सलमान निभाएंगे कर्नल बी का किरदार

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बी का किरदार निभाएंगे। यह वही अफसर हैं जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था।

मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे सलमान खान

पिंकविला के मुताबिक फिल्म की फोटोग्राफी जुलाई 2025 से शुरू होगी। बताया ये भी जाता है कि फिल्म अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं।

अनुपमा ने टार्गेटेड ट्रोलिंग पर की बात

एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की गिनती साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। मलयाली होने के बावजूद अनुपमा ने तेलुगु सिनेमा में अपना एक अलग नाम कमाया है। अब अनुपमा सुरेश गोपी की फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' के साथ मलयालम सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। 'जानकी बनाम केरल राज्य' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा परमेश्वरन अपनी आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर बात की। साथ ही करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया। अभिनेत्री ने कहा, कई लोगों ने मुझे मलयालम में यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मुझे अभिनय करना नहीं आता। मुझे बहुत ज्यादा टार्गेटेड ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने जानबूझकर मेरी आलोचना की और मुझे निशाना बनाया। इन सबके बावजूद इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने मुझे मुख्य किरदार के रूप में कास्ट किया। इस फिल्म में एक दिल है और वह जानकी है। मुझे उसे सौंपने के लिए प्रवीण नारायणन का धन्यवाद।

अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' का एलान

अभिषेक बच्चन के फैंस के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान कर दिया है और उसका पोस्टर भी जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख की भी घोषणा कर दी है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल। हाल ही में अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कालीधर लापता का एलान किया है। फिल्म के पोस्टर में अभिनेता किसी बच्चे के साथ एक पेड़ पर बैठे दिख रहे हैं। इसमें वो किसी उम्रदराज और अनुभवी इंसान की भूमिका में दिख रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'चर्चाओं पर अब फुल स्टॉप! कभी-कभी, खो जाना कोई चक्कर नहीं होता, बल्कि यहीं से असली कहानी शुरू होती है। सपने, ट्विस्ट और इसे सार्थक बनाने वाले लोगों से भरपूर।' साथ ही अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन मधुमिता ने किया है और इसे जी स्टूडियो द्वारा सहयोग प्राप्त है। यह फिल्म गांव की कहानी पर आधारित है। हालांकि आपको बताते चलें कि बीते दिनों अभिनेता ने एक पोस्ट करते हुए बताया था कि वो लापता होना चाहते हैं, जिससे उनके फैंस चिंतित हो उठे थे। जबकि अभिनेता का इशारा उनकी आगामी फिल्म कालीधर लापता की ओर था।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो यह कालीधर नाम के इंसान के आस-पास घूमती है, जो एक उम्रदराज व्यक्ति है। एक दिन उसे पता चलता है कि उसका परिवार उसे छोड़ने वाला है। इस वजह से वह भाग जाता है और उसकी मुलाकात एक बच्चे से होती है। इसके बाद कहानी में असली मोड़ आता है।

अनुराग बसु के साथ पंकज त्रिपाठी की खास केमिस्ट्री बोले- उनकी और भी फिल्मों में काम करना चाहूंगा

अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो...इन दिनों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम किया। एक्टर ने उन्हें अपना पसंदीदा डायरेक्टर बताया। अनुराग बसु और फिल्म मेट्रो...इन दिनों के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, वह एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। मैं कई सालों से उनके साथ काम करना चाहता था। अगर वह मुझे अपनी फिल्मों में लेते हैं, तो मैं उनके साथ और भी फिल्में करना चाहूंगा। वह मेरे पसंदीदा डायरेक्टर हैं। उनके सेट पर हम आराम से जाते हैं। हमें न तो ज्यादा तैयारी करनी पड़ती है और न ही कोई प्लानिंग होती है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अपने तरीके से काम करना अच्छा लगता है, इसलिए मैं ज्यादा तैयारी नहीं करता। किरदार और कहानी का ढांचा पहले से तय होता है, लेकिन सीन को कैसे करना है, यह हम वहीं सेट पर तय करते हैं। पंकज ने फिल्म के बारे में बताते हुए कहा कि यह फिल्म आज के दौर के रिश्तों को दिखाएगी। एक्टर ने कहा, यही तो मेट्रो...इन दिनों की कहानी है। यह फिल्म आज के नजरिए से प्यार और रिश्तों को दिखाती है और वह भी अलग-अलग उम्र के लोगों के बीच। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो...इन दिनों आज के समय के उलझे और बदलते रिश्तों को दिखाती है।

इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं। मेट्रो...इन दिनों साल 2007 में आई मशहूर फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो का सीक्वल है। फिल्म के गाने प्रीतम ने बनाए हैं। इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

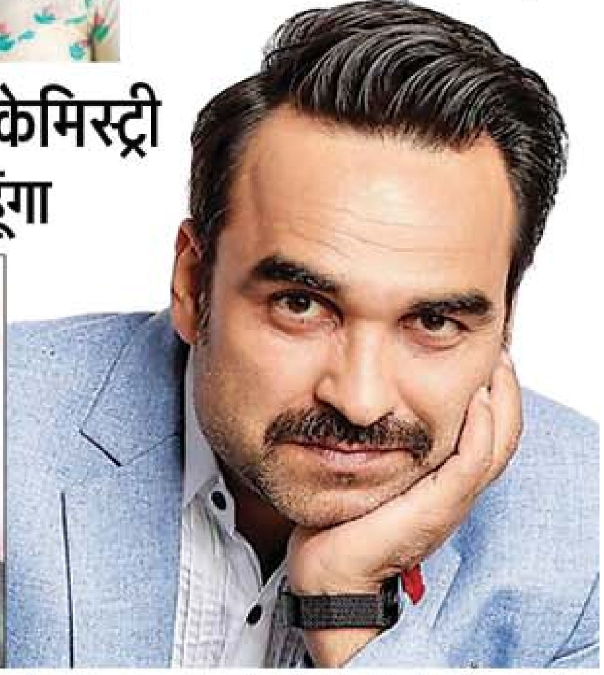

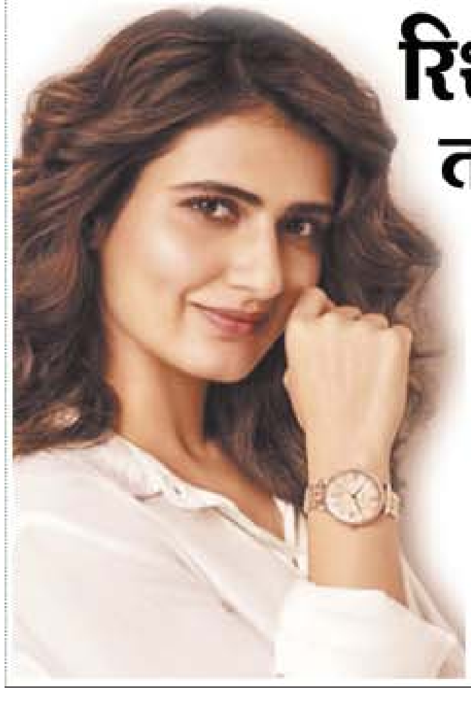

रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है तो उसका टूट जाना ही बेहतर

दंगल की गीता फोगट हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा, मॉडर्न लव मुंबई की लालजरी या धक धक की बिंदास स्काई, ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पर्दे पर हमेशा मजबूत लड़कियों के किरदार निभाए हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो...इन दिनों के लिए। ऐसे में, हमने उनसे प्यार, रिश्ते, शादी आदि पर की खास बातचीत।

एक दौर था, जब बॉलिवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाना जाता था। मगर कुछ सालों से क्राइम, ऐक्शन, थ्रिलर पर ज्यादा जोर दिख रहा है। आपको लगता है कि लोग रोमांटिक फिल्में मिस कर रहे हैं?

सौ फीसदी। हम सब मिस कर रहे हैं, क्योंकि सिनेमा को इतना सीरियस भी नहीं ले सकते। हम सबकी जिंदगी में वैसे ही इतनी मुश्किलें, इतनी सीरियस चीजें हैं कि आप पर्दे पर कुछ हल्का-फुल्का देखना चाहते हैं। रोमांटिक फिल्में हमेशा हमारी जिंदगी का हिस्सा रही हैं। हमने अपनी जिंदगी में जितना भी रोमांस किया है, उस पर कुछ न कुछ प्रभाव हमारी फिल्मों का रहा ही है। हमने फिल्मों में देखा कि शाहरुख ने ऐसा कुछ किया तो उसे अपनी असल जिंदगी में अप्लाई किया, तो वो चीज मुझे लगता है कि अभी मिसिंग है। हमारी फिल्म मेट्रो इन दिनों से शायद वो कमी थोड़ी दूर हो, क्योंकि इसमें अलग-अलग उम्र, अलग-अलग किस्म के प्यार की कहानी है, तो हर इंसान किसी ना किसी इमोशन रिलेट करेगा।

आजकल प्यार बहुत जटिल हो गया है, जैसा कि फिल्म में भी एक डायलॉग है। शादी की संस्था से भी युवा पीढ़ी का भरोसा उठ रहा है। आपका प्यार और शादी को लेकर क्या नजरिया है?

फातिमा ने कहा, प्यार को लेकर हम लोग जो इतना सोचते हैं कि हम प्यार ऐसे करेंगे, वैसे करेंगे, मगर असल जिंदगी में जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो उस पर कुछ कंट्रोल नहीं होता। आपके जितने भी सिद्धांत या नियम होते हैं सब खिड़की के बाहर चले जाते हैं। उसी तरह, मैं शादी में यकीन रखती हूं और मुझे लगता है कि शादी तब ज्यादा चलती है, जब बच्चा होता है। क्योंकि हमारे देश में अगर मां, बाप और बच्चा एक परिवार के रूप में साथ होते हैं, तो सरकार बहुत सारी सुविधाएं और सुरक्षा देती है। कानून भी प्रोटेक्ट करता है, तो बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा, शादी को तोड़ने के लिए बहुत सोचना पड़ता है। आप ऐसे उठकर अलग नहीं हो जाते।

फिर भी इन दिनों तो तलाक के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं...

यह भी अच्छी बात है ना। पहले तलाक एक टैबू था। दूसरे, बहुत सारी औरतें कमाती नहीं थीं। वे अपने पति पर ही निर्भर होती थीं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं होता था, इसलिए वे तलाक लेने की सोचती भी थीं तो हमारा समाज उन्हें हतोत्साहित ही करता था। मगर आज वे आत्मनिर्भर हैं। ऐसे में, अगर दो लोगों के बीच जम नहीं रहा है, तो हमें एक समाज के तौर पर उन्हें सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि ऐसे साथ रहने का क्या मतलब है? बाहरवालों के लिए बोलना आसान होता है कि शादी को निभाना चाहिए, मगर हमने बहुत देखा है कि अगर घर में क्लेश होता है तो बच्चे पर भी खराब असर ही पड़ता है। मेरे हिसाब से ऐसे में तलाक एक एपवारमेंट है। अगर रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है, तो उसका टूट जाना ही बेहतर है।

आपने दंगल हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, धक धक या मॉडर्न लव, पर्दे पर ज्यादातर दमदार लड़कियों के किरदार ही निभाए हैं। क्या यह आपकी सोची-समझी कोशिश होती है कि ऐसे मजबूत किरदार ही निभाने हैं?

100 पर्सेंट। मुझे वो करैक्टर्स पसंद ही नहीं हैं जिसको बोलो- उठो तो उठ जाए, जिसको बोलो बैठो, तो बैठ जाए, क्योंकि मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि मुझे कोई लड़का बोले कि ये पहन, तो मैं पहन लूं। मुझे नहीं पहनना है तो मैं नहीं पहनूंगी, मेरी मर्जी है। जब मेरे मां-बाप ने मुझे कभी कुछ नहीं बोला है, तो मैं किसी और की नहीं सुनूंगी। इसलिए, हां, ऐसे किरदार मैं सोचकर ही करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसे किरदार पसंद ही नहीं आते, जिसमें रीढ़ की हड्डी न हो। देखिए, अगर एक सहमी लड़की है, जो अपने फैसले खुद नहीं ले सकती, मुझे उसे करने में भी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आखिर में उसमें बदलाव आना चाहिए, उसे सशक्त होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो वह मेरे लिए बहुत बोरिंग किरदार है।

आपके लिए एक रिश्ते में सबसे बड़ा डील ब्रेकर क्या है? दूसरे, आप अपने पार्टनर में तीन खूबियां क्या चाहेंगी?

एक्ट्रेस फातिमा ने कहा, मेरे लिए डील ब्रेकर रिश्ते में बेईमानी और भरोसा ना होना है, क्योंकि अगर भरोसा नहीं है ना तो कुछ भी करो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि मेरा पार्टनर ऐसा हो, जिस पर भरोसा किया जा सके। रही बात उसकी खूबियों की, तो उसे प्यार को जताने से कतराना नहीं चाहिए। ऐसा न हो कि अगर आई लव यू बोलना है तो उसमें 10 दिन लगते हैं। ईगो नहीं होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं, तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉइसेज बदल लो। अपना रहन सहन, कपड़ा पहनना जो भी है, वो नहीं होना चाहिए।

यूपी में जोरदार बारिश, चित्रकूट में सड़क बही

मुजफ्फरनगर में सड़कें तालाब बनीं, अब तक 11 प्रतिशत ज्यादा बरसात

लखनऊ। यूपी में मानसून जमकर बरस रहा है। लखनऊ, ललितपुर-सहारनपुर सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मुजफ्फरनगर में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। चित्रकूट में बरदहा नदी के पानी में कच्ची सड़क बह गई, जिससे कई गांवों का तहसील और ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया। हरदोई में बारिश के पानी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई है। मिर्जापुर में अदवा नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। इसके चलते आवागमन रोक दिया गया। 24 घंटे में 18 जिलों में 5.6 मिमी औसत बारिश दर्ज की गई। यह औसत 3.3 मिमी से 66 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, 1 जून से अब तक 50.5 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य 45.6 मिमी से 11 प्रतिशत अधिक है। मौसम विभाग ने आज 54 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 39 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक दानिश ने बताया- मानसून ने 4 दिनों में 57 जिलों को कवर कर लिया है। अब सिर्फ 18 जिले ऐसे हैं, जहां मानसून का सक्रिय होना बाकी है। पूर्वानुमान के अनुसार, आज रात तक मानसून पूरे यूपी को कवर कर लेगा।

वाराणसी में सुबह तेज धूप निकली हुई है। हवा 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। शहर का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि शाम तक मानसून फिर से सक्रिय होगा और बारिश होने की संभावना बनी हुई है। गाजियाबाद में सुबह से हल्की धूप खिली हुई है और आज उमस भरी गर्मी है। सुबह के समय तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिन में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूर्वानुमान है। दोपहर बाद आसमान में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने एनसीआर में 23 जून और 24 जून को झमाझम बारिश की संभावना जताई है। इन दो दिनों में लगभग 50 मिलीमीटर तक बारिश होने का अनुमान है। ललितपुर में लगातार 12 घंटे से रिमझिम बारिश हो रही है, जिसके चलते जगह-जगह जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया है और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 3 घंटे में प्रदेश के 4 जिलों-बिजनौर, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर में तेज बारिश की संभावना है। सहारनपुर में दो दिन की गर्मी के बाद एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। सुबह करीब 3:00 बजे से बारिश हो रही है। बारिश के कारण अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। वहीं, अदक 54 दर्ज किया गया है। हालांकि बारिश के बाद भी गर्मी से राहत नहीं है। उमस भरी गर्मी पड़ रही है। चित्रकूट में बारिश से मंदाकिनी और बरदहा नदियां उफान पर हैं। मानिकपुर में बरदहा नदी के पानी में कच्चा रास्ता डूब गया, जिससे कई गांवों का तहसील और ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। हरदोई में बारिश के पानी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई है। दरअसल, बच्चे बगीचे में खेल रहे थे। पास में एक गहरा गड्ढा था, जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ था। खेलते समय पैर फिसलने से एक बच्चा गड्ढे में गिर गया। उसे बचाने में दो और बच्चे डूब गए। जौनपुर, उन्नाव में भी रात में झमाझम बारिश हुई। मिजार्पुर में लगातार बारिश से नदी-नालों में उफान आ गया। केहजुआ नदी और टकिहा नदी के पुल पर पानी बहने से आवागमन रुका रहा। टिटिहरिया नदी में उफान के कारण देवरी पुल पर पानी चढ़ने से सुबह 9 बजे तक पिपरा रोड बंद रही। चित्रकूट में मंदाकिनी और बर्दहा नदी उफान पर हैं। मानसूनी बारिश के चलते जल स्तर में बढ़ोतरी हुई है। बागपत में एक युवक ने पत्नी और बच्चे को बाइक पर बैठाकर यमुना पार की। किनारे पहुंचने पर बाइक बंद हो गई। इसके बाद पति-पत्नी ने बाइक को धकेलकर बाहर निकाला। प्रयागराज में 4 घंटे तक जमकर बारिश हुई। सिविल लाइन में बड़ा नीम का पेड़ गिर गया। पुलिस अब युवक की तलाश कर रही है। वाराणसी में भी जमकर बारिश हुई। इससे कैंटोमेंट इलाके में पानी भर गया। कौशांबी डीएम ऑफिस के बाहर घुटनों तक पानी भर गया। सुबह पंपिंग सेट से पानी निकाला गया। खराब मौसम के कारण शनिवार की शाम एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX1014 को पटना एयरपोर्ट पर लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। तेज हवा और कम विजिबिलिटी के चलते फ्लाइट को डाइवर्ट कर वाराणसी एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। वाराणसी एयरपोर्ट से फ्लाइट शाम 7.30 बजे पटना के लिए दोबारा उड़ान भरी।

योगी सरकार का गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा फेल : रामचन्द्र सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। रामकोला विकास खंड के लक्ष्मीगंज से होते हुए रामबाग जाने वाली सड़क खस्ताहाल है। इस सड़क पर राह चलना काफी कठिन है। दुर्दशा वीडियो और फोटो के माध्यम से देखा जा सकता है। बरसात के मौसम में सड़क कीचड़ पानी से सराबोर हो जाता है। इस समय सड़क पर जमा पानी सड़ांध मार रहा है और नर्क जैसी स्थिति बनी हुई है। लक्ष्मीगंज में यह हालत जयसवाल हार्डवेयर की दुकान के ठीक सामने बनी हुई है।भारतीय किसान यूनियन (जनकल्याण) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने बताया कि पिछले बरसात के मौसम में हमारे द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से तथा लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी जो कप्तानगंज में कार्यरत है उनसे भी वार्ता हुआ था मगर आज भी इस सड़क की हालत जैसे पहले थी वैसे ही है जो उत्तर प्रदेश की सरकार के दावे जैसे सूबे की सभी सड़के गड्ढा मुक्त होगी उस दावे पर एक प्रश्नचिन्ह है। लोक निर्माण विभाग, जिला प्रशासन, कुशीनगर सांसद और सम्बन्धित विधायक से मांग करते हैं कि इस सड़क की दशा को तत्काल ठीक कराया जाए अन्यथा ठीक नही होने की दशा में हमारा संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी जो जनहित में होगा।

नदी में भैंस नहला रहे किशोर को खींच ले गया मगरमच्छ, गांव में मचा हड़कंप

गोंडा। जिले की उमरी बेगमगंज के ग्राम पंचायत सोनौली मोहम्मदपुर में भिखारीपुर सकरौर तटबंध स्पर नंबर पांच के सामने सरयू नदी (घाघरा) में भैंस नहलाने गए एक किशोर को मगरमच्छ खींच ले गया।सोनौली मोहम्मदपुर चैलहन पुरवा बच्चीमाझा निवासी राजा बाबू यादव रविवार को दोपहर बाद सरयू नदी में अपने मवेशियों को नहलाते हुए नदी पार कर रहे थे। इसी बीच वहां पहले से ही रह रहे मगरमच्छ ने उनको दबोच लिया। जब तक लोग बचाव का प्रयास करते तब तक मगरमच्छ उसे खींच ले गया। इसके बाद वहां पर लोगों की भीड़ जुट गई। एसडीएम राजीव मोहन सहित अन्य अधिकारी पहुंच गए हैं। गोताखोर किशोर की तलाश कर रहे हैं।

उदित नारायण इण्टर में धूमधाम से मना योग दिवस

संवाददाता

कुशीनगर। 50 उत्तर प्रदेश वाहिनी एनसीसी पडरौना द्वारा उदित नारायण इण्टर कॉलेज के प्रांगण में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हरीश चंद , योग गुरु अरुण मिश्रा, रिसलदार मेजर हरजीत सिंह, व सभी पी आई स्टॉफ, विधायक माननीय मनीष जायसवाल, उदित नारायण पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज प्राचार्या डॉ० ममता मणि त्रिपाठी, कॉलेज के सभी एएनओ, 750 एनसीसी कैडेट्स, ई एस एम की उपस्थित में धूम धाम से 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल हरीश चंद ने बताया कि प्राचीन भारतीय परंपरा का एक अमूल्य उपहार, योग

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सबसे भरोसेमंद साधनों में से एक है और यह भी बताया गया की यदि निरोग रहना है तो योग करना जरूरी है। इस बार का योग दिवस योगा फॉर वन अर्थ वन हेल्थ की थीम के साथ मनाया जा रहा है। हर साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए एक नई थीम तय की जाती है, जो योग के एक खास पहलू पर जोर देती है। यह थीम ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य₹ के वैश्विक विचार को बढ़ावा देती है, जिसका अर्थ है कि स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे ग्रह और हम सभी की सेहत आपस में जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, यह थीम योग के जरिए ओवरऑल हेल्थ और पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व पर भी प्रकाश डालती है। योग गुरु अरुण मिश्रा द्वारा बताया गया कि योग कोई नया चलन नहीं, बल्कि हजारों साल पुरानी एक आध्यात्मिक और शारीरिक विद्या है, जिसकी जड़ें भारत में गहराई तक फैली हुई हैं। बता दें, ऋषि-मुनियों ने इसे न सिर्फ शरीर की मजबूती बल्कि मन की शांति के लिए भी अपनाया। ऐसे में, आज योग दुनियाभर में हेल्दी लाइफस्टाइल का दूसरा नाम बन चुका है ।

विश्व संगीत दिवस पर कवियों ने प्रस्तुत की रचनाएं

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। परंपरागत एवं लुप्तप्राय कलाओं के संवर्धन में अग्रणी अखिल भारतीय संस्था संस्कार - संगम कुशीनगर द्वारा चित्रतुली सदन पर विश्व संगीत दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। रविवार को समारोह में दिनेश तिवारी भोजपुरिया ने गीतों का वर्णन करते हुए ऋतु गीतों को गया। जिनमें ' राजा जी का गहनवा दे द--, अम्बरीष विश्वकर्मा ने ' पापीहा पुकारे जहावां बोले कोइलरिया उहे गडआँ मोरा.., ऐ मेरे हमसफर ठीक से सोच लो....।

सुनंदा शर्मा ने ' बोलो जी बोलो भक्तो...., निधि शर्मा ने ' पकड़ लो हाथ बनावरी, देखि के मनवा लोभा गइले रामा। वंदना मद्धेशिया ने ' बता क्या करुँ और तेरे लिए, सरिता

मिश्रा ने ' ठंडी के इस मौसम में तुम अबकी बार तो आ जाओ। मुख्यअतिथि प्राचार्य डॉ. रवि शंकर प्रताप राव ने कहा कि विश्व संगीत दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को संगीत के प्रति जागरूक करना है। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रवक्ता सुरेश गुप्त ने कहा कि संगीत के जनक भगवान शंकर हैं। संगीत गायन, वादन और नृत्य का जहां मिश्रण है वहीं संगीत ध्वनि और मौन का कलात्मक संयोजन है। पहली बार विश्व संगीत दिवस 21 जून 1982 को फ्रांस में मनाया गया। संगीत केवल मनोरंजन ही नही बल्कि देश- दुनिया की संस्कृति को समझने का एक माध्यम है। लगभग 120 से ज्यादा देशों में यह दिन मनाया जाता है। संगीत मानसिक शान्ति देता, अकेलापन और तनाव दूर करता है। कार्यक्रम का आरम्भ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण कर एवं एकात्मता मंत्र- यं वैदिका मंत्रहशः पुराणा..के गायन से हुआ। संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने सभी का आभार ज्ञापित किया। अध्यक्षता प्रवक्ता कृष्णमुरारी धर द्विवेदी ने किया। संचालन संयोजक राजू मद्धेशिया ने किया। समापन वन्देमातरम.... के सस्वर गायन से हुआ।

इस अवसर पर राम नारायण जायसवाल, रमेश मद्धेशिया, अमित मिश्रा, धनंजय राव, धीरज जायसवाल, मनोज सिंह, विवेक विश्वकर्मा, सुभाष मद्धेशिया उपस्थित रहे।

पाकिस्तान में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण, जबरन कबूल करवाया इस्लाम, इंसाफ मांग रही मां

शाहदादपुर, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ अत्याचार की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शाहदादपुर में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। 22 वर्षीय जिया बाई, 20 वर्षीय दिया बाई और 16 वर्षीय दिशा बाई के अलावा, इन तीनों बहनों के 13 वर्षीय भाई हरजीत कुमार को किडनैप कर इस्लाम कबूल करवाया गया। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवस्थित उत्पीड़न पर सवाल उठाए हैं। बच्चों की मां न्याय के लिए भटक रही है।

क्या है पूरा मामला : रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सिंध प्रांत के शाहदादपुर में हुई, जहां इन चारों भाई-बहनों को अगवा कर लिया गया। पीड़ितों की मां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय कंप्यूटर शिक्षक फरहान खासखेली पर बच्चों को बहकाने और अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने आंखों में आंसू लिए कहा, मेरे पास तीन बेटियां थीं, और फरहान ने उन सभी को ले लिया। मां ने विशेष रूप से अपने 13 वर्षीय बेटे की वापसी की गुहार लगाई, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इतनी छोटी उम्र में धर्म के बारे में समझने में सक्षम नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में इन बच्चों के तथाकथित धर्मांतरण को दर्शाया गया है, जिसे कई लोगों ने सांस्कृतिक आतंकवाद करार दिया है। हिंदू पंचायत के प्रमुख राजेश कुमार ने इस घटना को न केवल एक पारिवारिक त्रासदी बल्कि सामुदायिक आपदा बताया। उन्होंने पीड़ित बच्चों की तस्वीरें दिखाते हुए सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे इतने परिपक्व हैं कि वे स्वेच्छा से धर्म बदलने का निर्णय ले सकें।

पुलिस की कार्रवाई और पाक मीडिया का दावा : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, परिवार के विरोध के बाद पुलिस ने इन बच्चों को शाहदादपुर की एक अदालत में पेश किया। जहां दो बालिग लड़कियों को आश्रय गृह में भेजने का आदेश दिया गया तो वहीं एक नाबालिग लड़की और लड़के को मां-बाप को सौंप दिया। पाक मीडिया का दावा है कि इन चारों भाई-बहनों ने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है। वहीं परिवार का कहना है कि पुलिस के दबाव में बच्चे डरे हुए हैं। माता-पिता के वकील ने अदालत में दलील दी कि पुलिस ने चारों को कराची से बरामद किया था, जहां पर उन्हें शाहदादपुर से अगवा कर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया था। सभी की दलीलें सुनने के बाद, जज ने दो लड़कियों जिया बाई और दीया बाई को कराची के एक आश्रय गृह में रहने की अनुमति दे दी। दोनों लड़कियां मेडिकल छात्राएं हैं। इस बीच, अदालत ने आदेश दिया कि दो नाबालिगों 15 वर्षीय मैट्रिक छात्रा दिशा बाई और उसके 13 वर्षीय चचेरे भाई हरजीत कुमार को उनके माता-पिता को सौंप दिया जाए। लड़कियों के बयानों के आधार पर अदालत ने दो आरोपियों, जुल्फिकार खासखेली और फरहान को अपहरण के आरोपों से भी बरी कर दिया।

एक गहरी जड़ें जमा चुकी समस्या : यह घटना कोई अलग-थलग मामला नहीं है। सिंध और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में हिंदू लड़कियों और हाल ही में लड़कों के अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और उनके अपहरणकर्ताओं से विवाह की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह धार्मिक अतिवाद, पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्थागत उदासीनता का परिणाम है। हिंदू समुदाय के लिए, विशेष रूप से सिंध में, अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर एक निरंतर छाया की तरह बना हुआ है। 2016 में सिंध प्रांतीय विधानसभा ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन धार्मिक दलों के विरोध के कारण यह प्रभावी नहीं हो सका। इस तरह की घटनाओं से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कानूनी संरक्षण की कमी उजागर होती है।

बंद होने के कगार पर अमेरिकी न्यूज चैनल वीओआई, ट्रंप प्रशासन ने 639 पत्रकारों को निकाला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की मशहूर और 83 साल पुरानी सरकारी न्यूज एजेंसी वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) पूरी तरह से बंद होने के कगार पर है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने वॉयस ऑफ अमेरिका और उसे चलाने वाली यूएस एजेंसी फोर ग्लोबल मीडिया (यूएसएजीएम) के 639 कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस दिया गया।

इस साल मार्च से अब तक कुल 1,400 कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है, जो पूरी एजेंसी के 85त्न कर्मचारियों की संख्या है। ट्रंप प्रशासन की सलाहकार और एजेंसी की वरिष्ठ अधिकारी कारी लेक ने इसे बेहद जरूरी सुधार बताया और कहा कि सरकार अब इस फिजूलखर्च और जवाबदेही से दूर एजेंसी पर जनता का पैसा बर्बाद नहीं करेगी।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी शुरुआत : बता दें कि वीओए की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी के लोगों को अमेरिकी लोकतंत्र की बातें बताने से हुई थी। समय के साथ यह नेटवर्क दर्जनों भाषाओं में उन देशों में समाचार पहुंचाता रहा, जहां स्वतंत्र प्रेस की परंपरा नहीं थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि दुनिया भर में वीओए के प्रसारण की जगह कौन लेगा। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप समर्थक नेटवर्क वन अमेरिका न्यूज (ओएएन) ने अपना सिग्नल देने की पेशकश की है।

ईरानी सेवा के पत्रकारों के साथ सख्ती : मीडिया रिपोर्ट की माने तो वायस ऑफ अमेरिका की फारसी (पर्शियन) सेवा से जुड़े कुछ पत्रकारों को पिछले सप्ताह अचानक ड्यूटी पर बुलाया गया था, जब ईरान पर इस्राइल का हमला हुआ था। लेकिन शुक्रवार को जब उनमें से कुछ लोग ऑफिस से बाहर निकले, तो उनके पहचान पत्र जब्त कर लिए गए और उन्हें अंदर नहीं लौटने दिया गया। एक कर्मचारी ने डर के कारण ऑफिस छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्हें अंदेशा था कि उन्हें भी बाहर कर दिया जाएगा। हालांकि कि मामले में तीन वरिष्ठ महिला पत्रकार जेसिका जेरियाट, केट नीपर और पैटसी विडाकुसवारा ने ट्रंप सरकार के खिलाफ अदालत में केस दायर किया है।

न्यूयॉर्क का एक स्कूल बेहद खास, यहां 500 में से 30 बच्चे हैं जुड़वां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक स्कूल बेहद खास है, जहां पढ़ने वाले 500 छात्रों में से 30 छात्र जुड़वां हैं। इस हफ्ते ये छात्र इस स्कूल से ग्रेजुएट हो जाएंगे। इनमें से कई तो बचपन से साथ ही पढ़ाई कर रहे हैं। इन छात्रों के माता-पिता भी एक दूसरे को अच्छे से जानते हैं। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में स्थित जॉन एफ कैनेडी हाई स्कूल के कई छात्र को नर्सरी स्कूलों से एक दूसरे को जानते हैं। इन जुड़वां युवाओं के माता-पिता भी एक जुड़वां क्लब के माध्यम से जुड़े हुए हैं और अक्सर मिलते रहते हैं। ऐसा नहीं है कि न्यूयॉर्क का ये हाई स्कूल ही इस मामले में खास है। पिछले साल बोस्टन के एक मिडिल स्कूल में 23 जोड़ी जुड़वां भाई-बहन पढ़ाई करते थे। इसी तरह इलिनोइस के विननेटका में न्यू ट्रायर हाई स्कूल में 2017 में 44 जुड़वां बच्चे थे। स्नातक होने के बाद अब ये जुड़वां भाई-बहन अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं। एक भाई-बहन ही हैं, जो दोनों फ्लोरिडा विश्वविद्यालय जा रहे हैं। जो अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं, वो अपने साथी से दूर रहने के बारे में आशंकित हैं। सिडनी और कायला जसर ने कहा कि वे दोनों फैशन डिजाइन की पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न कॉलेजों में। सिडनी डेलावेयर विश्वविद्यालय में भाग ले रही है जबकि कायला इंडियाना विश्वविद्यालय में पढ़ाई करेगी। कायला ने कहा, हम एक ही कॉलेज में जा सकते थे।

इजराइली हमले में ईरान के ड्रोन कमांडर की मौत, अब तक 12 अफसरों की हत्या

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इस बीच इजराइल ने ईरान के ड्रोन कमांडर अमीन पोर जोदखी को हवाई हमले में मारने का दावा किया है। इससे पहले इजराइल ने 13 जून को ड्रोन यूनिट के चीफ ताहर फुर की हत्या कर दी थी। इसके बाद से जोदखी के पास ही ड्रोन यूनिट की जिम्मेदारी थी। इजराइल अब तक ईरान के 12 से ज्यादा सैन्य अफसरों की हत्या कर चुका है। इसमें ईरानी सेना के चीफ मोहम्मद बाघेरी, आईआरजीसी चीफ होसैन सलामी समेत कई और बड़े नाम हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे इजराइल को जंग रोकने के लिए नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई जीत रहा है तो उसे रोकना मुश्किल है। ईरान और इजराइल के बीच शनिवार को भी जंग जारी है। ईरान ने सुबह इजराइल में तेल अवीव समेत दूसरे शहरों पर मिसाइल हमला किया। इससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, इजराइल ने भी जवाबी हमला करते हुए ईरान में कोम, इस्फहान में मिसाइल हमले किए। इसमें 2 लोगों की मौत हुई है और 4 घायल हैं। बीते 8 दिनों में इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं ईरान में 657 लोगों की

मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। यह आंकड़ा वॉशिंगटन स्थित ईरानी ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दिया है।

इजराइल ने हमास को पैसा भेजने वाले ईरानी कमांडर को मारा इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बताया कि ईरान की कुद्स फोर्स में फिलिस्तीनी मामलों के प्रमुख सईद इजादी को इजराइली सेना ने ईरान के शहर कोम में एक अपार्टमेंट पर हमले में मार गिराया है। काट्ज ने कहा कि इजादी वही शख्स था जिसने 7 अक्टूबर 2023 हमले के लिए हमास को पैसा मुहैया कराया था। काट्ज ने इजादी के मारे जाने पर खुशी जताई और कहा कि इजराइल अपने दुश्मनों को कहीं से भी ढूंढ निकालने में काबिल है। काट्ज ने पुराने डॉक्यूमेंट का भी जिक्र किया जिसमें लिखा था कि 2021 में हमास नेताओं ने ईरानी सेना के एक बड़े अधिकारी को पत्र भेजकर इजराइल पर हमला करने के लिए 500 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी।

पेज एक का शेष...

उत्तराखंड में थानों को गोद...

के रूप में विकसित करने का बीड़ा उठाया है। 'आदर्श थाना' बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत यशवंत चौहान आज गोपेश्वर पहुंचे। उन्होंने थाना गोपेश्वर के सम्पूर्ण परिसर का गहन भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से पुरुष एवं महिला बैरक तथा एसएसआई रूम जैसे महत्वपूर्ण भवनों का जायजा लिया। इन संरचनाओं के उच्चीकरण) और आवश्यक सुधार कार्यों को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार व संबंधित जेई से मौके पर ही विस्तृत सुझाव मांगे, ताकि थाना गोपेश्वर को एक आधुनिक और सुविधाओं से युक्त 'आदर्श थाना' बनाया जा सके और पुलिस कर्मियों के लिए एक उन्नत एवं सहज कार्य वातावरण तैयार हो सके। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण और चर्चा के दौरान, थानाध्यक्ष गोपेश्वर विनोद चौरसिया के साथ-साथ स्थानीय पत्रकार और विभिन्न समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की और इसे पुलिस व्यवस्था में गुणात्मक सुधार की दिशा में एक अत्यंत सकारात्मक कदम बताया।

राज्य में संस्कृति के प्रचार-प्रसार...

श्रेणी (कैटेगरी) के तहत 01 मिनट तक रील और 05 मिनट तक की शार्ट फिल्मो हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे। सीईओ तिवारी ने बताया कि इनमें 1. उत्तराखण्डी पारंपरिक खानपान, 2. उत्तराखण्ड होमस्टे, 3. उत्तराखण्ड में बारहमासी पर्यटन, 4. उत्तराखण्ड में अपेक्षाकृत कम प्रसिद्ध पौराणिक मंदिर एवं तीर्थाटन, 5. उत्तराखण्ड आयुष एवं वेलनेस, 6. उत्तराखण्ड अनछुए मनोरम पर्यटन स्थल, 7. उत्तराखण्ड साहसिक पर्यटन स्थल (अपेक्षाकृत कम प्रसिद्ध), 8. उत्तराखण्ड वैडिंग डेस्टिनेशन आदि शामिल है। प्रत्येक श्रेणी में 5-5 लाख रूपए के दो-दो पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

महिला नीति का ड्राफ्ट तैयार...

और अन्य सभी क्षेत्रों में महिला उत्थान के लिए हो।

हाल में नई दिल्ली में केंद्र सरकार की ओर से आयोजित एक परामर्श कार्यक्रम में देश के पांच राज्यों को महिला कल्याण की योजनाओं पर प्रस्तुति का मौका मिला, जिसमें राज्य महिला नीति के आधार पर उत्तराखंड ने भी महिलाओं के सर्वांगीण विकास की रूपरेखा पेश की।प्रस्तुति में शामिल महिला सशक्तीकरण विभाग की टीम ने बताया कि पहाड़ के ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन के हर पहलू में सकारात्मक बदलाव लाना, शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाना, सुरक्षित और अनुकूल वातावरण बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करना और रोजगार के समान अवसर प्रदान करना राज्य महिला नीति के प्रमुख स्तंभ होंगे। इसके अलावा महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और न्याय दिलाने

उत्तराखंड के हर जिले...

के लिए उपयुक्त स्थानों का शीघ्र चिन्हांकन कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहसिक पर्यटन को और अधिक बढ़ावा देने हेतु नए डेस्टिनेशन विकसित करने पर भी प्राथमिकता से कार्य किया जाय। ताकि क्षेत्रीय युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंउन्होंने कहा कि राज्य के पर्यटन ढांचे को मजबूती प्रदान करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हेतु अल्पकालिक, मध्यकालिक औरआ दीर्घकालिक योजनाएं तैयार की जाय। उन्होंने हनोल एवं जागेश्वर के मास्टर प्लान तथा हरिपुर कालसी घाट निर्माण की योजना पर तेजी से कार्य करने के साथ ही यात्रा मार्ग से जुड़े गांवों को होमस्टे योजना से लाभान्वित करने पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए हैं।

बैठक में सचिव शैलेश बगौली, विनय शंकर पाण्डेय, धीराज गर्ब्याल, अपर पुलिस महानिदेशक एपी अंशुमान, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी उपस्थित रहे।

सीएम धामी ने सीएम योगी से वाराणसी में की मुलाकात

देहरादून(सूवि)। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की पूर्व संध्या पर ज्ञान एवं अध्यात्म की पावन धरा वाराणसी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सीएम योगी से भेंट हुई। इस अवसर पर उन्हें पवित्र चारधाम का प्रसाद भेंट किया।

इस दौरान भाजपा उत्तर प्रदेश के माननीय अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह जी समेत सम्मानित मंत्रीगण व संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल से राजभवन में जीओसी उत्तराखण्ड सब एरिया मेजर जनरल एम.पी.एस गिल ने की शिष्टाचार भेंट

देहरादून(राजभवन कार्यालय)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सोमवार को राजभवन में जीओसी उत्तराखण्ड सब एरिया मेजर जनरल एम.पी.एस गिल ने शिष्टाचार भेंट की।

कांग्रेस ने फूंका गरीब बस्तियों को उजाड़ने, पुनर्वास और मालिकाना हक न मिलने के विरोध में सरकार का पुतला

देहरादून(ब्यूरो)। देहरादून यमुना कॉलोनी चौक चकराता रोड पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं युवा कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा गरीब बस्तियों को उजाड़ने, पुनर्वास और गरीब बस्ती वासियों को मालिकाना हक न दिए जाने के विरोध में भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।

इस मौके पर यह निर्णय लिया गया कि यह लड़ाई लंबी है और इसको निरंतर जारी रखा जाएगा, जब तक बस्ती वालों के हक में परिणाम नहीं आ आता।

इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस मलिन बस्ती प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि भाजपा ने 2022 के अपने घोषणा पत्र में और मुख्यमंत्री और मेयर ने नगर निकाय के चुनाव में बार-बार यह घोषणा की थी कि किसी भी बस्ती का एक भी घर नहीं तोडा जाएगा परंतु प्रतीत होता है कि इन्हें सफेद झूठ बोलने की आदत है और ये भी जुम्लेबाज है।

कांग्रेस मेयर प्रत्याशी रहे विरेंद्र पोखरियाल ने कहा कि कांग्रेस ने बस्तियों को बसाने का काम किया है और जब तक उनके पुनर्वास की व्यवस्था ना हो जाये तब तक की लड़ाई लड़ी जायेगी और बस्ती वासियों को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संघर्ष करेगी।

लालचंद शर्मा ने कहा कि गरीब बस्ती वासियों को उजड़ने से रोकने के लिए संघर्ष का हर कदम उठाया जाएगा। युवा नेता रितेश छेत्री ने कहा कि देहरादून और बस्तियों के युवा, बस्तियों को बचाने के लिए ईंट का जवाब पत्थर से देंगे।

जब तक प्रदेश सरकार बस्ती वासियो को न उजाड़ने का आश्वासन, पुनर्वास की व्यवस्था एवं मालिकाना हक देने का निर्णय नहीं लेगी तब तक निरंतर कांग्रेस बस्तियों को न्याय दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष करेगी।

इस अवसर पर सुमित्रा ध्यानी, रिपू दमन सिंह, संजय थापा,चरणजीत कौशल ,धर्म सोनकर , सुनील जायसवाल, सुने गोयल,चंद्र मोहन काला, टीटू त्यागी,दीप वोहरा , पंकज क्षेत्री, अभिनव थापर,मुकेश चौहान, जगदीश धीमान, मोहन जोशी, महेश बघेल,कुलदीप जखमोला, संजय काला, अल्ताफ ,पीयूष जोशी, मोनी मेहता, गौतम सोनकर, मुकेश शर्मा, विनीत सिंह, सुरेंद्र सैनी ,कैलाश वाल्मीकि आशीष देसाई ,रघु गुप्ता, सुरेंद्र तोमर,राजीव प्रजापति, नरेश गांधी, संजय बिरला आदि मौजूद रहे।

आखिर इजराइल-ईरान की जंग में कूद पड़ा अमरीका

ईरान के 3 एटमी ठिकानों पर बी 2 बॉम्बर से की बमबारी

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ।

● ईरान का पलटवार,इजराइल के 14 शहरों पर मिसाइलें दागी

ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इस बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- हमने मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की। हाल की घटनाओं में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई। हालात को तुरंत शांत करने, बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

कच्चे तेल की खरीद को लेकर सतर्क हुआ भारत

ईरान-इजरायल युद्ध के बाद बदली रणनीति, अब इराक पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर

अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं।

हमने शुरू किया, अमेरिका ने इसे अंजाम तक पहुंचाया

ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद बोले नेतन्याहू, ट्रंप को बताया सबसे अच्छा दोस्त

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान की तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और एस्फाहन पर हमला कर तबाह करने का दावा किया है। पूरा अपडेट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में दिया। इस एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका को अपना करीबी मित्र बताया। हिब्रू भाषा में जारी वीडियो स्टेटमेंट में इजरायली पीएम ने कहा कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने जो शुरू किया उसे अमेरिका ने अंत तक पहुंचाया। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने संघर्ष की शुरुआत से ही ईरान की 'न्यूक्लियर फैसिलिटी' तबाह करने का वादा पूरा कर दिया है। अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी के खिलाफ वह काम पूरा किया है, जिसे 'आईडीएफ' ने 13 जून को शुरू किया था। नेतन्याहू ने कहा, ऑपरेशन की शुरुआत में, मैंने आपसे वादा किया था कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी को किसी न किसी तरह से

तबाह कर दिया जाएगा। यह वादा पूरा किया गया है। इजरायली पीएम ने अमेरिकी प्रेसीडेंट से टेलीफोन पर हुई बातचीत का भी ब्योरा दिया। कहा, मैंने अमेरिकी ऑपरेशन खत्म होने के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देने के लिए फोन किया था। यह बहुत गर्मजोशी और भावुक बातचीत थी। नेतन्याहू ने आगे कहा, उन्होंने (ट्रंप) मुझे बधाई दी। उन्होंने हमारी सेना को और उन्होंने हमारे लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप दृढ़ता के साथ स्वतंत्र विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इजरायल के बहुत अच्छे मित्र हैं, ऐसे मित्र जैसा कोई और नहीं। बता दें कि ईरान पर एयर स्ट्राइक के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनका इरादा ईरान की न्यूक्लियर एनरिचमेंट कैपेसिटी को तबाह करना था।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आर्फसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादक: विभोर त्रिखा-09927012330